1. मुख्यमंत्री श्री रमन सिंह की बाबाजी से भेंट एवं विमर्श के बिन्दु
2. मानव चेतना विकास हेतु व्यवहारिक पाठ्यक्रम हेतु प्रस्ताव
3. 9.11.07 को मुख्यमंत्री रमन सिंह को अभ्युदय संस्थान द्वारा प्रेषित पत्र
4. श्री शरत्चन्द्र बेहरा एवं श्री चन्द्रहास बेहरा की बाबाजी से बैठक
5. 6.10.2007 को श्री रमाशंकर अग्निहोत्री के द्वारा मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

रामशंकर अग्निहोत्री
अध्यक्ष,
हिन्दुस्थान समाचार

दिनांक ६.१०.२००७

प्रति

मान्यवर श्री रमन सिंह जी,
मुख्यमंत्री,
छत्तीसगढ़ राज्य,
रायपुर

माननीय रमन सिंह जी,

आशा है कि आप सानंद और स्वस्थ होंगे। मां नर्मदे की कृपा से संयोगवश मुझे अमरकंटक आने का अवसर मिला। यहां मैंने संत प्रवर श्रद्धेय ए. नागराज जी से उनके द्वारा प्रतिपादित **मध्यस्थ दर्शन सह-अस्तित्ववाद** और उसके आधार पर देश में चल रहे शिक्षा के विभिन्न प्रयोगों को समझने का प्रयास किया। मेरे ३ से ६ अक्टूबर के अमरकंटक प्रवास के समय उनके शिक्षा के मानवीयकरण के प्रस्ताव को भी विस्तार से समझा।

अभी हाल ही में २२ से २४ मई २००७ को दिल्ली में आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर और आईआईआईटी हैदराबाद के संयुक्त में सम्पन्न राष्ट्रीय अधिवेशन 'Value Education through Jeevan vidya' की रपट और सिफारिशों का भी अवलोकन किया। अमरकंटक में इस संबंध में प्रोफेसर गणेश बागड़िया (HBTI, Kanpur) और प्रोफेसर राजीव सांगल (Director, IIIT Hydrabad) से भी चर्चाएं हुई जिनका उल्लेख २००६ के राष्ट्र के नाम संदेश में तत्कालीन राष्ट्रपति श्री एपीजे अब्दुल कलाम ने किया था।

मुझे यह जान कर भी प्रसन्नता हुई कि छत्तीसगढ़ राज्य के एनआईटी रायपुर सहित प्रदेश के १६ इंजीनियरिंग कालेजों में भी मानव चेतना-मूल्य शिक्षा आधारित जीवन विद्या पाठ्यक्रमों का अध्यापन किया जा रहा है। इस दृष्टि से छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है। आप स्वयं भी एनआईटी रायपुर में जीवन-विद्या संबंधी कार्यक्रम २००६ में राष्ट्रपति श्री कलाम के साथ उपस्थित थे।

क्रमशः.....2

मेरे इस संक्षिप्त अमरकंटक प्रवास के दौरान श्रद्धेय ए. नागराज जी ने छत्तीसगढ़ जैसी संस्कारधानी धरती की स्कूली शिक्षा के मानवीयकरण का प्रस्ताव रखा। यह नया प्रयोग है। जिस पर मेरा उनके साथ विशद विमर्श हुआ। मुझे श्री ए.नागराज जी और उनके सहयोगियों द्वारा देश की अग्रणी तकनीकी संस्थानों में चलाये जा रहे 'मानव चेतना-मूल्य शिक्षा' जीवन-विद्या पाठ्यक्रमों का अध्यापन कार्यक्रमों ने उत्साहित किया है।

मुझे लगता है कि छत्तीसगढ़ राज्य की प्राथमिक शिक्षा (Class1 to 8th) के मानवीयकरण के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर राज्य में लागू किया जा सकता है। आपके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य इस क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने का अवसर प्राप्त कर सकता है।

मुम्बई के २४ से २५ अक्टूबर हिन्दुस्थान समाचार के स्वर्ण जयंति समारोह के उपरान्त मेरा छत्तीसगढ़ में प्रवास १ से १० नवंबर के मध्य अभ्युदय संस्थान अछौटी में रह सकता है। जहां शिक्षा के मानवीयकरण और लोकव्यापीकरण के मुद्दे, संभावनाएं और कार्ययोजनाओं पर चर्चाएं प्रस्तावित हैं।

आपसे अनुरोध है कि आप १ से १० नवंबर के मध्य किसी भी दिन दो घंटे के लिये अभ्युदय संस्थान अछौटी पधारने का कष्ट करें। आपके साथ स्कूली शिक्षा मंत्री शिक्षा के मानवीयकरण के प्रस्ताव को समझने और लागू करने की संभावनाओं पर चर्चा करने पधार सकें तो क्रियान्वयन में सुगमता बन सकती है। तदोपरांत, आपकी सम्मति और निर्देशानुसार शिक्षा विभाग के सचिव व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से बैठक सुनिश्चित कर विमर्श किया जा सकेगा।

मुझे विश्वास है कि आप अवश्य ही समय सुनिश्चित कर भेंट एवं चर्चा का अवसर प्रदान करेंगे।

वन्देमातरम्। मैं आज ही भोपाल के लिये रवाना हो रहा हूं।

आपका

(रामशंकर अग्निहोत्री)

सम्पर्क : 94065 23632
हिन्दुस्थान समाचार
101/22 शिवाजी नगर
भोपाल, मध्यप्रदेश